RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 21 सितंबर 2024 वर्ष 06 अंक 153 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

लाडकी बहिन योजना के लिए अलग से धन आवंटित- फडणवीस

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

हाईकोर्ट ने झुग्गी पुनर्विकास भवनों के घटिया निर्माण पर जताई चिंता...

कहा- 'वर्टिकल स्लम'

बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को मुंबई में झोपड़पट्टी पुनर्विकास भवनों के निर्माण में अपनाए गए 'खराब तरीकों' पर चिंता व्यक्त की है। हाईकोर्ट ने इन निर्माण को ''वर्टिकल स्लम'' करार दिया है। पीठ ने इसे संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार) के खिलाफ एक गंभीर मुद्दा बताया है। जस्टिस जी एस कुलकर्णी और सोमशेखर सुंदरेसन की खंडपीठ ने कहा कि ऐसी इमारतों का निर्माण घने तरीके से किया गया है। इमारतों के बीच कोई जगह नहीं है। जिससे वेंटिलेशन और सूरज की रोशनी बाधित होती है। इस मामले पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि, हम इन 'वर्टिकल स्लम' को पसंद नहीं करेंगे। निर्मित इमारतें बहुत भीड़भाड़ वाली हैं। न रोशनी है, न जगह है, न सूरज की रोशनी है और न ही हवा आती है। इससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा होंगी। वे (झुग्गीवासी) अतिक्रमण वाली जमीन पर ही बेहतर स्थिति में हैं।

कोर्ट ने बोला- हम वेट एंड वॉच की स्थिति नहीं अपना सकते हैं, शीर्ष अदालत ने इस तरह के कामकाज को लेकर चिंता जताई थी। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने विदेशों में सार्वजनिक आवास परियोजनाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि अधिनियम के प्रावधानों का मजबूती से क्रियान्वयन होना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि शहर में प्रवासी श्रमिकों की आमद बढ़ती रहेगी और अधिकारी इंतजार की नीति नहीं अपना सकते हैं।

कोर्ट ने कहा कि, शहर में प्रवासी श्रमिक आते हैं। काम मौजूद है, वेतन उपलब्ध है, लेकिन उनके रहने के लिए कोई जगह नहीं है। फिर वे झुग्गियों में रहते हैं। हमें यह समझने की जरूरत है कि यह रुकेगा नहीं। यह आगे बढ़ता रहेगा। हम अभी केवल प्रतीक्षा और निगरानी नहीं कर सकते। पीठ ने सभी संबंधित पक्षों को इस मुद्दे पर अपने सुझाव प्रस्तुत करने का निर्देश दिए हैं। जिस पर झुग्गी पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) विचार करेगा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 15 अक्टूबर की तारीख तय की।

पालघर में केमिकल फैक्ट्री बडा हादसा... !

6 लोग झुलस, 3 की हालत गंभीर...

पालघर: महाराष्ट्र के पालघर जिले में तारापुर औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार को एक रासायनिक इकाई में आग लग जाने से छह कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि इकाई के एक हिस्से में दोपहर 12 बजे आग लग गई। कंपनी प्रबंधन के आग लगने के बाद दमकल विभाग को घटना की जानकारी दी। कपंनी के कर्मचारियों ने तुरंत आग को बुझाने का प्रयास किया और इस पर काबू पा लिया।

मिली जानकारी के अनुसार छहछह श्रमिक आग में झुलस गए, जिनकी पहचान राज मौर्या (45), निशिकांत चौधरी (36), पवन देसले (32), संतोष हिंडलेकर (49), आदेश चौधरी (25) और चंदन शाह (32) के रूप में हुई है। इनमें से तीन की हालत गंभीर है। सभी छह को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।'' महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) अग्निशमन केंद्र के एक अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही इकाई के कर्मचारियों ने आग बुझा ली थी। कंपनी में आग लगने के बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची लेकिन उससे पहले ही कंपनी के कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र कि पालघर जिले के तारापुर टक्छ में एक फार्मा कंपनी के ड्रायर से निकले केमिकल के संपर्क में आने से 6 लोग घायल हो गए। सभी घायलों का बोइसर के तुंगा अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

मुस्लिम वोट पर अजित पवार गुट की नजर, सीट बंटवारे के लिए तय किया ये प्लान

महायुति में कब फाइनल होगा सीटों का फॉमूर्ला तय?

महाराष्ट्र : डिप्टी सीएम अजित पवार कितने मुस्लिम नेताओं को विधानसभा चुनाव में टिकट देंगे, इसको लेकर संभावितों की लिस्ट सामने आई है. यह भी बताया जा रहा है कि महायुति में अजित पवार की एनसीपी को जितनी सीटें मिलेंगी उसमें से 10 प्रतिशत टिकट मुस्लिम समुदाय के नेताओं को दी जा सकती है. बताया जा रहा है कि मुंबई में चार और मुंबई मेट्रोपॉलिटिन एरिया में एक सीट पर मुस्लिम नेता को टिकट देने की संभावना है. मुंबई में एनसीपी को अनुशक्ति नगर, मानखुर्द (शिवाजीनगर), मुंबा देवी, बांद्रा पूर्व और कलवा (मुंब्रा) सीट मिल सकती है. इनमें से अनुशक्ति नगर से एनसीपी सना मलिक, मानखुर्द से नवाब मलिक, बांद्रा पूर्व से जीशान सिद्दिकी और कलवा से नजिम मुल्ला को टिकट मिल सकता है. महाराष्ट्र में नवंबर में चुनाव कराए जा सकते हैं.

इन पांच सीटों का कौन कर रहा है प्रतिनिधित्व

अनुशक्ति नगर से फिलहाल नवाब मलिक विधायक हैं. उन्होंने तुकाराम काटे को हराया था. मानखुर्द से 2009 से सपा के नेता अबू आजमी विधायक हैं. 2019 में उन्होंने सुरैया शेख को हराया था. बांद्रा पूर्व से जीशान सिद्दिकी ने पिछला चुनाव जीता था. कलवा-मुंब्रा सीट 2009 से शरद पवार गुट के पास है. उनकी पार्टी जितेंद्र अव्हाड यहां से चुनाव जीतते आ रहे हैं.

महायुति में कब फाइनल होगा सीटों का फॉमूर्ला तय?

महाराष्ट्र बीजेपी इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कुछ दिन पहले कहा था कि महायुति लगभग 70-80 प्रतिशत सीटों के फॉमूर्ले को अंतिम रूप दे दिया गया है. वहीं, कुछ दिन पहले यह जानकारी भी सामने आई थी कि अजित पवार गुट 288 में से 80 सीटें मांग रहा है. एनसीपी नेता छगन भुजबल ने कहा था कि हमने 80 सीट की मांग की है. अगले सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का महाराष्ट्र दौरा होने वाला है. उनका यह दौरा महायुति में सीट साझेदारी को लेकर अहम माना जा रहा है. इस दौरान सीट बंटवारा पर फाइनल मुहर लग सकती है.

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

संस्कारहीनता के घातक दुष्परिणाम...

अगर किसी समस्या की गहराई में न उतरा जाया जाए तो वह समस्या फिर-फिर उभर कर आती है। 2012 के निर्भया कांड के बाद पूरे देश में हंगामा मचा। सरकार ने जस्टिस वर्मा के नेतृत्व में एक समिति गठित की। समिति ने कानून में बदलाव के अच्छे सुझाव दिए। उन सुझावों पर अमल भी हुआ, लेकिन लगता है कि 12 वर्ष बाद भी समस्या जस की तस बनी हुई है। महिलाओं पर होने वाले अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 2020 में महिला संबंधी 3,71,503 अपराध पंजीकृत हुए। 2021 में यह संख्या बढ़कर 4,28,278 हो गई और 2022 में 4,45,256 हो गई। यानी 2022 में महिला संबंधी अपराधों में 2021 की अपेक्षा चार प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। किसी समाज का मध्य वर्ग उसकी शक्ति होती है। इसी वर्ग से अधिकांश समाज सुधारक और क्रांतिकारी निकलते हैं। स्वतंत्रता संग्राम में भी इसी मध्य वर्ग ने अहम भूमिका निभाई थी। दुर्भाग्य से आज यह वर्ग आंतरिक कलह, शान शौकत और भोग विलास में लिप्त है। बच्चों को महंगे स्कूल में भेज कर माता-पिता समझते हैं कि कि उनकी जिम्मेदारी पूरी हो गई। लोगों का यही लक्ष्य है कि पैसे कमाओ और जीवन का आनंद लो। बच्चों को मोबाइल और लैपटाप दे दो, वे खुश रहेंगे। मोबाइल-लैपटाप में वे कितना समय लगा रहे हैं, क्या कर रहे हैं, इसकी किसी को कोई चिंता नहीं। इसका नतीजा यह है कि मूल्यों से विहीन पीढ़ियां विकसित हो रही हैं।

पढ़ाई की बात करें तो अध्यापकों का ही स्तर इतना निम्न है कि बच्चों को क्या दोष दिया जाए। नेशनल सैंपल सर्वे आगेर्नाइजेशन के अनुसार एक-तिहाई अध्यापक ऐसे हैं, जिनमें पढ़ाने की अपेक्षित योग्यता नहीं है। उन्हें पढ़ाने की आधुनिक तकनीक का भी कोई ज्ञान नहीं है। फिर भी, कुछ बच्चे अपनी मेहनत और कोचिंग से अच्छे निकल जा रहे हैं। इनमें से कुछ सिविल सेवा परीक्षा भी पास कर लेते हैं। हालांकि, सिविल सेवा में पहुंचकर भ्रष्टाचार की कहानियां भी सामने आती हैं। ऐसे भी उदाहरण हैं कि सिविल सेवा में तो टाप किया, परंतु

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

लाडकी बहिन योजना के लिए अलग से धन आवंटित- फडणवीस

मुंबई : महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष यह दावा करके लोगों को गुमराह कर रहा है कि दलितों, आदिवासियों और किसानों के कल्याण के लिए निर्धारित धन को लाडकी बहिन योजना के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है. उन्होंने कहा, 'यह सच नहीं है. लाडकी बहिन योजना के लिए अलग से धन आवंटित किया गया है. यह योजना बंद नहीं होगी. यह जारी रहेगी.'

बता दें कि कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' शुरू की थी, जिसके तहत सभी महिलाओं को 1500 रुपये प्रति महीने दिए जा रहे हैं. महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की 'माझी लाडकी बहिन' योजना को लेकर पक्ष और विपक्ष आमने सामने है. इस योजना को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं. यहां तक ऐसी भी अटकलें हैं कि ये योजना बंद हो जाएगी. इसे लेकर अब प्रदेश के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने भरोसा देते हुए कहा है कि इसका लाभ सभी पात्र बहनों को मिलेगा.

महाराष्ट्र के सीएम शिंदे ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''मैंने रिपोर्ट देखी कि मेरी बहनें मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के खाते की केवाईसी कराने के लिए रात से ही बैंक के सामने कतार में खड़ी हैं. मैं अपनी बहनों से फिर कहता हूं, अनावश्यक जल्दबाजी करके अपने आप को परेशान मत करो. इस योजना का लाभ सभी पात्र बहनों को मिलेगा. इस योजना की देखरेख आपके भाई खुद कर रहे हैं. चिंता मत करो.''

उन्होंने ये भी लिखा, ''भले ही आप इस योजना पर विश्वास करते हों लेकिन कुछ लोगों को इस योजना पर संदेह है. उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप हमें ताकत देंगे तो हम इस योजना को 1500 से बढ़ाकर 2000 या उससे भी ज्यादा कर देंगे. सरकार द्वारा शुरू की गई किसी भी योजना को बंद नहीं होने दिया जाएगा.''

मुंबई : हीरा कारोबारी की बीएमडब्ल्यू ने मजदूर को कुचला...!

मुंबई : मध्य मुंबई के वर्ली में कोस्टल रोड पर एक हीरा व्यापारी की बीएमडब्ल्यू कार की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोमवार शाम को तटीय सड़क के दक्षिण की ओर जाने वाले गलियारे पर घटी, जिसे इस वर्ष की शुरूआत में आंशिक रूप से उपयोग के लिए खोला गया था। पुलिस के अनुसार तटवर्ती मार्ग पर यह पहली घातक दुर्घटना है। पुलिस ने बताया कि मृतक कश्मीर मीसा सिंह के सहकर्मी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हीरा व्यापारी, वर्ली निवासी राहिल हिमांशु मेहता (45) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मुंबई में विज्ञापन बोर्ड हटाने का अभियान... 14 हजार से ज्यादा विज्ञापन बोर्ड हटाए

मुंबईः गणेशोत्सव के खत्म होने के बाद नगर पालिका ने सफाई अभियान चलाया है और पूरी मुंबई में विज्ञापन बोर्ड हटाने का भी अभियान चलाया गया है. अनंत चतुर्दशी के 24 घंटे के भीतर नगर पालिका के लाइसेंस विभाग द्वारा 14 हजार से अधिक विज्ञापन बोर्ड, भित्ति चित्र, मेहराब, झंडे हटा दिए गए हैं।

गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक, राजनीतिक और व्यावसायिक होर्डिंग फूटते हैं। गणेशोत्सव मंडलों का विज्ञापन करने वाले राजनीतिक दलों, जन प्रतिनिधियों, विभिन्न व्यापारिक संगठनों के विज्ञापन मंडल क्षेत्र में लगाए गए थे। चूंकि मुंबई की हर सड़क पर एक सार्वजनिक गणेश मंडल है, इसलिए गणेशोत्सव के दौरान सभी सड़कों पर विज्ञापन छा जाते हैं। परिणामस्वरूप, शहर विकृत हो गया। गणेशोत्सव खत्म होने के बाद बोर्ड विज्ञापन बोर्ड हटाने का काम नहीं करते. इसलिए नगर पालिका के लाइसेंस विभाग ने इस वर्ष विज्ञापन बोर्ड हटाने का अभियान चलाया है।

1. हटाए गए कुल बिलबोर्ड, भित्तिचित्र - 14,295
2. कुल विज्ञापन बोर्ड - 8723
3. धार्मिक पट्टिका - 7656
4. राजनीतिक - 807
5. प्रोफेशनल - 260
6. झंडे - 985
7. भित्तिचित्र - 657

नगर पालिका के लाइसेंस विभाग ने अनंत चतुर्दशी के 24 घंटे के भीतर पूरे मुंबई से 14,000 से अधिक होर्डिंग, बोर्ड, भित्ति चित्र, मेहराब, झंडे हटा दिए हैं। इनमें धार्मिक, राजनीतिक और व्यावसायिक होर्डिंग की संख्या सबसे ज्यादा थी. सबसे ज्यादा 7656 धार्मिक होर्डिंग मुंबई से हटाए गए हैं. इनमें 807 राजनीतिक और 260 व्यावसायिक होर्डिंग हटाये गये हैं.

भिवंडी महानगर पालिका का लिपिक रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी मनपा में तैनात लिपिक अजय सिताराम गायकवाड़ पर घर पट्टी ट्रांसफर करने के नाम पर बीस हजार रूपए रिश्वत मांगने और दस हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तारकर लिया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका में कार्यरत लिपिक अजय सिताराम गायकवाड़ ने शिकायत कर्ता से उसकी मां के नाम पर बनी घर पट्टी अपने नाम पर करवानें के लिए लिपिक से संपर्क किया लिपिक ने उक्त घर पट्टी को ट्रांसफर करने के लिए शिकायत कर्ता से बीस हजार रुपए रिश्वत की मांग की थी, जिससे तंग आकर शिकायत कर्ता ने अउ से संपर्क किया, ACB टीम ने जाल बिछाकर एक होटल में दस हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ अजय सिताराम गायकवाड़ को गिरफ्तारकर लिया है। बता दें कि भिवंडी महानगरपालिका में इस तरह के भ्रष्टाचार के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। नागरिकों को अपने मामूली कामों के लिए भी रिश्वत देनी पड़ रही है, जिससे आम जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है। महापालिका के विभिन्न विभागों में भ्रष्टाचार का गहरा जाल फैला हुआ है, और इस मामले ने भ्रष्टाचार की इस गहरी जड़ को उजागर किया है। लाचलुचपत विभाग (ACB) की इस कार्रवाई ने प्रशासन को हिला कर रख दिया है। नगरवासी लंबे समय से महापालिका में फैले इस भ्रष्टाचार से त्रस्त थे। इस कार्रवाई के बाद उम्मीद है कि अन्य ऐसे मामले भी उजागर होंगे। इस प्रकरण को लेकर शांतीनगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। महापालिका के अन्य अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि इस भ्रष्टाचार के नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल हैं।

मुंबईः गणेशोत्सव के दौरान 550 मीट्रिक टन ठोस कचरा किया गया एकत्र...

मुंबईः इस वर्ष गणेशोत्सव के दौरान प्राकृतिक और कृत्रिम विसर्जन तालाब स्थलों से लगभग 550 मीट्रिक टन निर्माल्य एकत्र किया गया था। इस निर्मला से नगर निगम ने जैविक खाद तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही विसर्जन के बाद विभिन्न चौक-चौराहों एवं समुद्र तटों पर विशेष सफाई अभियान चलाकर 363 मीट्रिक टन ठोस कचरा एकत्र किया गया. नगर निगम आयुक्त भूषण गगरानी ने गणेशोत्सव के दौरान गणेश प्रतिमा के विसर्जन के बाद गिरगांव, दादर, चिंबई, जुहू, वेसावे (वसोर्वा), मढ़, गोराई चौपाटी और अन्य जगहों पर विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिया था। तदनुसार, अनंत चतुर्दशी पर नगर निगम के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग ने अथक परिश्रम किया और पूरे दिन और रात के साथ-साथ बुधवार को भी पूरे दिन सफाई अभियान चलाया। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के लगभग सात हजार श्रमिकों, कर्मचारियों, गैर सरकारी संगठनों के स्वयंसेवकों, स्कूल और कॉलेज के छात्रों की मदद से सफाई के माध्यम से कुल 363 मीट्रिक टन ठोस कचरा एकत्र किया गया। रोज सुबह चौपाटी पर टहलने आने वाले मुंबईकरों के लिए पूरे

इलाके की सफाई की गई। पूरे मुंबई में सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडलों के क्षेत्रों के साथ-साथ विसर्जन जुलूसों के मार्गों को भी साफ किया गया। नगर निगम आयुक्त गगरानी ने बुधवार को विभिन्न चौपाटियों का दौरा कर स्वच्छता कार्यवाही का निरीक्षण किया। साथ ही आवश्यक निर्देश भी दिये. उन्होंने नगर निगम के सफाई कर्मचारियों, विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों, छात्रों से बातचीत की।

चौपट्टों पर विशेष सफाई अभियान में बड़ी मात्रा में खाने के रैपर (रैपर), पानी की बोतलें, जूते-चप्पल सहित बैग और अन्य सामान एकत्रित किया गया। आयुक्त ने इनका उचित तरीके से निस्तारण करने तथा निर्माल्य से उर्वरक का उत्पादन करने का भी निर्देश दिया।

गणेशोत्सव को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने के लिए, इस वर्ष गणेश मूर्ति विसर्जन के लिए 69 प्राकृतिक स्थानों के साथ-साथ 204 कृत्रिम झीलों की व्यवस्था की गई थी। निर्माल्य संग्रह के लिए 500 से अधिक निर्माल्य कलश और 350 निर्माल्य ढोने वाले वाहन, 6 हजार से अधिक जनशक्ति तैनात की गई थी। इस वर्ष गणेशोत्सव के दौरान लगभग 550 मीट्रिक टन निर्माल्य एकत्र किया गया है। एकत्रित कचरे से जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग द्वारा की जायेगी। निर्माल्य को नगर निगम के 24 प्रशासनिक प्रभागों में विभिन्न 37 जैविक उर्वरक उत्पादन परियोजनाओं में ले जाया गया। सामान्यतः एक माह के अंदर यह खाद जैविक खाद में परिवर्तित हो जायेगी। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि इस खाद का उपयोग नगर निगम के पार्कों में किया जाएगा।

सलमान खान के काफिले का पीछा कर रहा था युवक; गिरफ्तार

मुंबईः बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं. इसके अलावा कुछ समय पहले सलमान खान के ब्रांदा स्थित घर गैलेक्सी अपार्टमेंट पर हमला भी हुआ था, जिसकी वजह से उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है. इस बीच एक बार फिर सलमान की सुरक्षा से जुड़ी खबर सामने आई है. पुलिस ने गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर से एक युवक को गिरफ्तार किया है. इस युवक पर सलमान की गाड़ी का पीछा करने का आरोप है.

सूत्रों ने बताया कि युवक ने बाइक से काफी दूर तक सलमान खान के काफिले का पीछा किया और उनकी गाड़ी तक पहुंचने की कोशिश की, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने गैलेक्सी के बाहर उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया.

सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट के उद्घाटन के अवसर पर नवी मुंबई सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट की डेडलाइन तय...

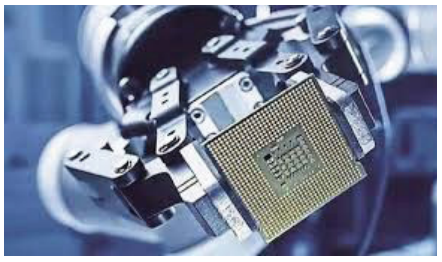

नवी मुंबईः कभी केमिकल हब के रूप में जाने जाने वाले नवी मुंबई शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में पिछले कुछ वर्षों में सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की नींव पड़ी है और उसके बाद शहर में जवेरी बाजार और सेमीकंडक्टर जैसी परियोजनाएं आ रही हैं। सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट की डेडलाइन बुधवार तय की गई. इस मौके पर एक तस्वीर सामने आई है कि नवी मुंबई शहर के औद्योगिक क्षेत्र अब डेटा सेंटर, ज्वेलरी और सेमीकंडक्टर का केंद्र बनना चाह रहे हैं।

ठाणे जिले का नवी मुंबई शहर एक नियोजित शहर के रूप में जाना जाता है। इस शहर के महापे-बेलापुर औद्योगिक क्षेत्र में बड़ी कंपनियां हैं। इसके अलावा, उरण और तलोजा बेल्ट में भी बड़े उद्योग सामने आए हैं। नवी मुंबई के महापे-बेलापुर औद्योगिक क्षेत्र में बड़ी संख्या में रासायनिक कंपनियां हैं। इसके कारण नवी मुंबई को रासायनिक कंपनियों का शहर भी कहा जाता था। लेकिन पिछले कुछ सालों में समय के साथ नवी मुंबई की पहचान बदल रही है। इसके पीछे की वजह भी वही है. पिछले कुछ वर्षों में इस शहर में सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियाँ उभरी हैं। औद्योगिक क्षेत्र में चर्चा है कि रायगढ़ और नवी मुंबई में डेटा सेंटरों के जरिए सोने की नई खदान तैयार की जाएगी और इसके जरिए रोजगार के कई अवसर मुहैया कराए जाएंगे. इस बीच, शहर में ज्वैलरी और सेमीकंडक्टर जैसे प्रोजेक्ट आ रहे हैं।

विपक्ष ने जवेरी बाजार को मुंबई से गुजरात स्थानांतरित करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की थी। इससे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया. उस समय राज्य के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने घोषणा की थी कि देश का सबसे बड़ा आभूषण बाजार नवी मुंबई में स्थापित किया जाएगा। इस हिसाब से नवी मुंबई में भी यह इंडस्ट्री खड़ी है. आरआरपी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के जरिए देश ने अब हार्डवेयर क्षेत्र में अपना पहला कदम रखा है। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट का निर्माण राज्य के नवी मुंबई शहर में हो रहा है और सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट की डेडलाइन बुधवार तय की गई है. इसका उद्घाटन बुधवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया. उस समय उपमुख्यमंत्री अजित पवार और देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा था कि महाराष्ट्र के औद्योगिक क्षेत्र में तेजी आने के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में नई क्रांति आ रही है.

मुंबई : एयरपोर्ट के गेट से बाहर सड़क की हालत दयनीय

मुंबई : मुंबई महानगरपालिका मुंबई की बदनामी पूरे देशभर में करवा रही है। एयरपोर्ट से देशभर के लोग मुंबई आते हैं। सांताक्रुज एयरपोर्ट के कालीना मिलिट्री कंपाउंड के सामने गेट क्रमांक ८ है, जिसे एयरपोर्ट का वीआईपी गेट कहा जाता है। इस गेट से देशभर के आए हुए वीआईपी लोगों को बाहर निकाला जाता है, लेकिन एयरपोर्ट के गेट से बाहर सड़क की हालत इतनी दयनीय है कि वहां से वाहन तो क्या पैदल आदमी भी गुजर नहीं सकता। बरसात में सड़क का आधा हिस्सा बह गया है और सड़क पर मिट्टी और कीचड़ हो गया है, जिसकी वजह से सड़क के आधे हिस्से में ही आवागमन होता है। सिर्फ आधी सड़क पर वाहन चलने से रोड पर ट्रैफिक जाम हो जाता है। बता दें कि वीआईपी गेट से अधिकतर बड़े लोगों का आना-जाना होता है, जिन्हें रिसीव करने के लिए बड़ी संख्या में अन्य वाहन वहां पर आते हैं। सड़क पर मौजूद मिट्टी और कीचड़ को देखकर बाहर से आए लोग खिल्ली उड़ाते हैं। गौरतलब है कि राज्य की घाती शिंदे सरकार ने सत्ता संभालने के बाद दावा किया था कि मुंबई की सड़कों पर एक भी गड्ढे नहीं रहेंगे, लेकिन वर्तमान में मुंबई की सड़कों की हालत ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों से भी खराब है। सड़क की हालत दयनीय होने से अधिकतर वाहन चालक इस सड़क का उपयोग करने से कतराते हैं, जिसके चलते उन्हें कालीना शास्त्री नगर से होकर गुजरना पड़ता है। इस वजह से दूरी करीब ढाई किलोमीटर बढ़ जाती है। ज्यादा दूरी तय करने की वजह से वाहनों में पेट्रोल और डीजल की निरर्थक बबार्दी हो रही है।

धुले में घर में परिवार के चार लोगों के शव मिलने से सनसनी

धुले : महाराष्ट्र के धुले जिले में एक दंपत्ति और उनके दो बच्चों के घर में शव मिलने से हड़कंप मच गया. पति का शव घर में लटका हुआ मिला, जबकि बीवी और दो बेटे की मौत जहर पीने से हो गई. सामूहिक आत्महत्या या तीन हत्या के बाद पिता ने आत्महत्या की, इसकी जांच की जा रही है. पुलिस के मुताबिक प्रमोद नगर इलाके की समर्थ कॉलोनी में घटी यह घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजे सामने आई, जब कुछ पड़ोसियों ने परिवार के बंगले से तेज गंध महसूस की और पुलिस को सूचना दी. पुलिस को बंगले के अंदर प्रवीण सिंह गिरासे (53), उनकी पत्नी दीपांजलि (47) और उनके बच्चों मितेश (18) और सोहम (15) के सड़े हुए शव मिले. पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रवीण सिंह का शव छत से लटका मिला, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे दो दिन से घर में नहीं दिखी हलचल तो हुआ शक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रवीण सिंह का शव फंदे से लटका मिला, जबकि उनकी पत्नी और बच्चे फर्श पर मृत पाए गए. उन्होंने बताया कि कोई पत्र नहीं मिला है.

भारी वाहनों की असमय आवाजाही जारी... मुंबई नासिक हाईवे, मुंब्रा बाईपास पर भीड़

ठाणेः एक ओर जहां ठाणेकर ट्रैफिक जाम से जूझ रहे हैं, वहीं पुलिस की लापरवाही के कारण भारी वाहनों का असमय आवागमन एक बार फिर शुरू हो गया है। ऐसा देखा गया है कि घोड़बंदर रोड पर भारी वाहन चालक तेज गति से वाहन चलाते हैं। ऐसे में नागरिक सवाल पूछ रहे हैं कि इन भारी वाहनों के आवागमन पर कब अंकुश लगेगा. ठाणे से बदलापुर और भिवंडी शहर ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में आते हैं। मुंबई नासिक हाईवे, घोड़बंदर, ईस्ट एक्सप्रेसवे जैसे महत्वपूर्ण मार्ग इस क्षेत्र से होकर गुजरते हैं। भिवंडी शहर में बड़ी संख्या में गोदाम हैं। इसलिए, गुजरात के उरण में जेएनपीटी बंदरगाह से भिवंडी और नासिक क्षेत्रों तक भारी वाहनों को ठाणे, भिवंडी शहर के माध्यम से ले जाया जाता है। भारी वाहन सीधे घोड़बंदर से होकर शहर में प्रवेश करते हैं। ठाणेकर भारी ट्रैफिक की समस्या से परेशान हैं. पिछले कुछ महीनों से ठाणे शहर में भारी वाहन ट्रैफिक जाम का कारण बन रहे हैं।

ठाणे आयुक्तालय क्षेत्र में दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे और रात 11 बजे से सुबह 5 बजे के बीच भारी वाहनों की अनुमति है। इस समय के अलावा अन्य समय में भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित है। इसके बावजूद यह बात सामने आई है कि ठाणे शहर में इन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है. सुबह के समय कर्मचारियों के वाहन शहर से निकलते हैं। वहीं, भारी वाहनों का भी बिना किसी परेशानी के प्रवेश शुरू हो गया है। इसका असर घोड़बंदर के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण मार्गों पर भी पड़ने लगा है. कुछ भारी वाहन चालक तेज गति से वाहन चलाते हैं। ऐसे में भारी वाहनों के खतरनाक आवागमन का खामियाजा अन्य हल्के वाहन चालकों को भुगतना पड़ता है। बुधवार को भी शहर में असमय भारी वाहनों का आवागमन देखने को मिला. इन वाहनों की वजह से घोड़बंदर, मुंबई हाईवे पर वाहनों का बोझ बढ़ने से ट्रैफिक जाम की तस्वीर बन रही है.

कोलशेट में नृशंस हत्या की गुत्थी आखिरकार पुलिस ने सुलझा ली...

ठाणेः कोलशेट में एक सिक्योरिटी सुपरवाइजर का सिर काटने का गंभीर मामला सामने आया है. इस मामले में अब ठाणे अपराध जांच शाखा ने बिल्डिंग के सुरक्षा गार्ड को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी का नाम प्रसाद कदम है और जांच में पता चला कि सुपरवाइजर से दुर्व्यवहार के बाद उसने यह हरकत की. जांच में पता चला है कि उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। कोलशेत में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है। सोमवार सुबह जब सफाई कर्मचारी इस इमारत की छत पर गए तो सुरक्षा पर्यवेक्षक सोमनाथ देबनाथ का शव मिला। उसका सिर चकरा गया. उनके सिर, चेहरे, गर्दन और पीठ पर भी हथियारों से वार किया गया। इस गिरावट के बाद पूरे शहर में उत्साह फैल गया. साथ ही, उनके शव का फिल्मांकन सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। इससे कोलशेट इलाके में डर का माहौल पैदा हो गया. इस हत्या को लेकर कपूरबावड़ी थाने में मामला दर्ज किया गया था. मामले की समानांतर जांच ठाणे अपराध जांच शाखा यूनिट पांच (वाघले एस्टेट) द्वारा की जा रही थी।

पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी. उस समय इमारत के सुरक्षा गार्ड प्रसाद कदम को सोमनाथ के साथ निकासी में जाते हुए पाया गया था। वापसी में कदम अकेला था। इससे पता चलता है कि हत्या उसी ने की है. यूनिट पांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विकास घोडके की एक टीम ने आखिरकार कदम का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। सोमनाथ ने प्रसाद को गाली दी. इसके अलावा उनके बीच पहले भी बहस हो चुकी है। प्रसाद ने कबूल किया है कि सोमनाथ ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। शुरूआती जांच में पता चला है कि प्रसाद का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है.

वसई-विरार नगर निगम में 15 हजार फेरीवाले...

वसईः वसई, विरार शहर में जहां फेरीवालों की संख्या काफी बढ़ रही है, वहीं नगर पालिका द्वारा कराए गए सर्वे में शहर में केवल 15 हजार 156 फेरीवाले ही दर्ज किए गए हैं. सड़कों और फुटपाथों पर रेहड़ी-पटरी वाले रास्ता अवरुद्ध कर देते हैं, जिससे यातायात और आने-जाने में दिक्कतें पैदा होती हैं। लेकिन जब अनगिनत फेरीवाले हैं तो केवल 15 हजार फेरीवाले कैसे? ऐसा सवाल उठ रहा है. शहर में मुख्य सड़कों, आवागमन मार्गों, छोटी गलियों, फुटपाथों पर जहां भी जगह मिले, रेहड़ियां लगी हुई हैं। नागरिकों को ट्रैफिक जाम, रास्ते में रुकावटें जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. रेहड़ी-पटरी वालों की समस्या को देखते हुए इसका समाधान निकालने और रेहड़ी-पटरी वालों के बैठने के लिए स्थान निर्धारित करने के लिए आयुक्त अनिल कुमार पवार की अध्यक्षता में पथ विक्रेता समिति की बैठक हुई. नौ वार्डों में सर्वेक्षण किये गये हॉकरों की सूची प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया और वह सूची प्रकाशित कर दी गयी है.

फेरीवालों का बायोमेट्रिक सर्वे किया गया है. नगर पालिका का कहना है कि इस सर्वे में शहर में केवल 15 हजार 156 रेहड़ी-पटरी वाले पंजीकृत थे। इस सर्वे के बाद नगर निगम ने कहा है कि हॉकर पॉलिसी, सीटिंग, नो हॉकर एरिया, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट के सभी पहलुओं को पूरा किया जाएगा. हालाँकि, जबकि शहर में फेरीवालों की संख्या बहुत बढ़ गई है, नागरिकों ने आश्चर्य व्यक्त किया है कि नगर निगम के रजिस्टर में केवल 15,000 फेरीवाले ही दर्ज हैं।

आपत्तियां एवं सुझाव दाखिल करने की अंतिम तिथि

नगर निगम के नौ वार्ड समिति कार्यालय में पंजीकृत पथ विक्रेताओं की सूची प्रकाशित कर दी गयी है. इस सूची में विवरण के संबंध में नागरिकों को सुझाव और आपत्तियां दर्ज की जाएंगी। इसके लिए अंतिम तिथि 30 सितंबर है और नागरिक अपने सुझाव और आपत्तियां लिखित रूप में संबंधित वार्ड समिति कार्यालय में कार्यालय समय के दौरान जमा कर सकते हैं।

फेरीवालों का पुनरुद्धार...

वसई विरार शहर में मुख्य सड़कों, फुटपाथों, नालियों पर फेरीवाले बैठे रहते हैं। इससे यातायात की समस्या के साथ-साथ नागरिकों को आने-जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. सहायक आयुक्त सुखदेव दरवेशी ने कहा है कि इस समस्या के समाधान के लिए शहरी नियोजन विभाग की मदद से हॉकर जोन बनाकर फेरीवालों को एक विशिष्ट स्थान उपलब्ध कराया जायेगा और उनका पुनर्वास किया जायेगा. इसके अलावा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नो हॉकर जोन घोषित किया जाएगा। दरवेशी ने कहा है कि इससे फेरीवालों की समस्या दूर होगी और नागरिकों को मुफ्त सड़कें मिलेंगी.

फेरीवालों की बढ़ती संख्या से नागरिकों की परेशानी बरकरार है

वसई विरार में फेरीवालों की संख्या बढ़ती जा रही है। विशेषकर अनियमित रूप से व्यवस्थित बाजारों के कारण शहर में ट्रैफिक जाम, गंदगी, बीमारियाँ, प्रदूषण आदि समस्याएँ उत्पन्न होने लगी हैं। इसके अलावा ऐसी शिकायतें भी बढ़ रही हैं कि सड़कें और फुटपाथ डूब जाने से आम नागरिकों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. नागरिकों की प्रतिक्रिया है कि पहले से ही अपर्याप्त सड़कें और फेरीवालों की बढ़ती संख्या के कारण नागरिकों की दुविधा बनी रहेगी.

मालाड स्टेशन पर भीड़-भाड़ की समस्या... पूर्ववत होगा प्लेटफॉर्म नंबर एक

मुंबई : मालाड रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म बदलाव के कारण हो रही भीड़-भाड़ से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों के लिए यह समस्या गंभीर तब हो गई जब चर्चगेट से विरार और विरार से चर्चगेट जाने वाली ट्रेनों को एक ही प्लेटफॉर्म पर रोका जाने लगा। इस बदलाव के कारण यात्रियों को प्लेटफॉर्म से बाहर निकलने के लिए केवल फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का ही सहारा लेना पड़ रहा है, जिससे पीक आवर्स में भारी भीड़ जमा हो रही है।

पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार, नए टेंपरेरी प्लेटफॉर्म के निर्माण की अनुमति मिल चुकी है और इसके निर्माण में लगभग २-३ महीने का समय लगेगा। नए प्लेटफॉर्म से विरार की तरफ यात्रा कर रहे यात्रियों को दोनों तरफ उतरने का विकल्प रहेगा। जिससे यात्रियों की भीड़ काफी हद तक कम होगी।

मच्छरों को मारने में नाकाम मनपा !
डेंगू और मलेरिया के मरीज बढ़े...

मुंबई : एक फिल्म में नाना पाटकर का बोला एक संवाद काफी मशहूर हुआ था कि एक मच्छर आदमी को हिजड़ा बना देता है। मच्छर से हर कोई परेशान रहता है। यही वजह है कि उक्त संवाद को लोगों ने काफी पसंद किया था। हालात आज भी बदले नहीं हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि एक मच्छर आदमी को सालाना २,४०० रुपयों का फटका लगा रहा है। असल में ऐसा मनपा के नकारेपन की वजह से हो रहा है। एक सर्वे में खुलासा हुआ है कि पब्लिक द्वारा मच्छरों को भगानेपर होनेवाले कुल खर्च का सालाना २४०० रुपए हर एक व्यक्ति के हिस्से आ रहा है। मच्छरों को खत्म करने पर मनपा का बिल्कुल भी ध्यान नहीं है। इस कारण लोगों को मच्छरों को मारने व भगाने पर इतनी रकम खर्च करनी पड़ रही है। यह खुलासा एक सर्वेक्षण से हुआ है। बारिश के बाद मच्छरों की समस्या काफी बढ़ जाती है और इसके कारण आम लोग मलेरिया, डेंगू व चिकनगुनिया जैसी खतरनाक बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। मुंबई के अलावा देश के अन्य हिस्सों में भी कमोबेश यही स्थिति है। सर्वे में ७० फीसदी लोगों का कहना है कि मनपा उनके क्षेत्र में फॉगिंग बिल्कुल नहीं करती। ऐसे में मच्छर खत्म हों तो कैसे?

मायानगरी मुंबई समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश हो रही है। इस वजह से मच्छरों का प्रकोप काफी ज्यादा बढ़ गया है। इसकी वजह से अस्पतालों में डेंगू और मलेरिया समेत अन्य मौसमी बीमारियों के मरीज बढ़े हैं। इसे लेकर देश में किए गए सर्वे के अनुसार, ४४ फीसदी परिवारों ने बताया कि अगस्त से लेकर अक्टूबर तक मच्छरों का प्रकोप अधिक रहता है। मच्छरों को मारने में मनपाएं और स्थानीय निकाय नाकाम साबित हो रहे हैं। इस फेहरिस्त में मुंबई मनपा भी शामिल है। दूसरी तरफ १० में से सात परिवारों ने बताया कि उनके नगर निगम या पंचायत अपने क्षेत्र में मच्छर मारने के लिए फॉगिंग बिल्कुल नहीं करते हैं या शायद ही कभी कोई फॉगिंग की होगी। इसके साथ ही ४९ फीसदी परिवार सालाना २,४००, जबकि ३७ फीसदी परिवार उससे अधिक रकम खर्च कर रहे हैं।

हिंदुस्थान में शायद ही कोई बड़ा-छोटा शहर या कस्बा होगा जो मानसून के दौरान मच्छरों के खतरे का सामना नहीं कर रहा होगा। इसके चलते हैदराबाद, पुणे, दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु, चेन्नई, कोच्चि आदि शहरों में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया के बड़ी संख्या में मामले सामने आ रहे हैं।

बाबासाहेब अंबेडकर और संविधान का अपमान- सीएम शिंदे

मुंबईः शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ के कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर दिए बयान से देश की सियासत गरमाई हुई है. इस बीच प्रदेश के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी करने वाले अपने विधायक संजय गायकवाड़ का समर्थन किया है. उन्होंने ये भी कहा कि कांग्रेस को आरक्षण पर टिप्पणियों को लेकर राहुल गांधी का विरोध करना चाहिए.

प्रदेश सरकार की लाडकी बहिन योजना से जुड़े एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम शिंदे ने कहा, ''आरक्षण के खिलाफ बयान के लिए कांग्रेस को राहुल गांधी के आवास के सामने विरोध प्रदर्शन करना चाहिए. विपक्ष ने संविधान बदलने और आरक्षण खत्म होने की झूठी कहानी फैलाई. अब कांग्रेस नेता विदेश जाकर कोटा खत्म करने की बात कर रहे हैं.''

मुख्यमंत्री शिंदे ने आगे कहा, ''यह बाबासाहेब अंबेडकर और संविधान का अपमान है. यह कहते हुए कि महायुति समाज के वंचित वर्गों की मदद के लिए आरक्षण के पक्ष में है, शिंदे ने राज्य के लोगों से आरक्षण के खिलाफ बयान देने वालों को सबक सिखाने का आग्रह किया. इसके साथ ही उन्होंने बुलढाणा में संतों और अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों की मूर्तियों की परिकल्पना के लिए गायकवाड़ की प्रशंसा की.

एकनाथ शिंदे की पार्टी शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया था. उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी की जीभ काटने वाले को 11 लाख का इनाम दिया जाएगा. महाराष्ट्र के सीएम ने दिल्ली की सीएम बनने जा रही आतिशी पर भी हमला बोला. शिंदे ने दावा किया, अफजल गुरु जैसे आतंकवादियों का समर्थन करने वाले लोगों को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया गया है. ये देशद्रोह है.

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com